नादरगंज में ईवी प्लांट के काम में आई तेजी

स्कूटर इंडिया की जमीन पर अशोक लीलैंड लगा रही है प्लांट

स्कूटर इंडिया के इसी परिसर में लगेगा ईवी प्लांट। साफ-सफाई के साथ रंग-रोगन बता रहा है कि काम रफ्तार पकड़ चुका है। -संवाद

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। नादरगंज में लखनऊ-कानपुर रोड पर स्कूटर इंडिया की खाली जमीन पर अशोक लीलैंड वाणिज्यिक इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण के लिए एकीकृत ग्रीन फील्ड प्लांट लगा रही है। ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के दौरान इसका भूमि पूजन हो चुका है। ऐसे में आचार संहिता के दौरान काम पर रोक नहीं थी, लेकिन चुनावी व्यस्तताओं के बीच इसकी गति धीमी हो गई थी। अब जिला प्रशासन ने काम तेज करने का आदेश दिया है।

कंपनी प्लांट में 186 करोड़ का निवेश कर रही है। यूपी में लीलैंड के इस पहले प्लांट से सीधे तौर पर 6000 लोगों को रोजगार मिलेगा। प्लांट शुरू करने की कवायद तेज गई है। परिसर की जमीन को समतल करने का काम तेज हो गया है। स्थानीय उद्यमी बताते हैं कि दिन-रात काम चल रहा है। परिसर में पेड़, झाड़ियों की सफाई के साथ रंग-रोगन कर दिया गया है। एक सप्ताह पहले अशोक लीलैंड ने परिसर से भवन-शेडो निर्माण कार्य में बाधक पेड़ों की नीलामी के लिए विज्ञापन जारी कर दिया है।

स्थानीय उद्यमियों की भी उम्मीदें बढ़ीं : स्कूटर इंडिया परिसर में हरकत शुरू होने से स्थानीय के उद्यमियों की उम्मीदें भी बढ़ी हैं। उनका कहना है कि इस प्लांट के आसपास 500 के करीब एमएसएमई इकाइयां विकसित होंगी। मो. सऊफ बताते हैं कि हम वर्षों से टाटा के लिए भी काम कर रहे हैं। अशोक लीलैंड जैसे ही उत्पादन शुरू करेगा, ऑटो एंसलरीज के निर्माताओं की मांग बढ़ेगी। उद्यमी कहते हैं कि जब स्कूटर इंडिया का प्लांट लगा था, उस वक्त सहयोगी उपकरण वाली इकाइयों वाले क्षेत्र को स्कूटर एंसलरीज एस्टेट कहा जाने लगा। प्लांट की जरूरत के हिसाब से यहां कई इकाइयां विकसित हुई थी। ईवी प्लांट के भविष्य को देखते हुए उद्यमी तैयारी में जुटे हैं। 30 फैक्टरियों के स्कूटर एंसलरी एस्टेट में शुरू होने की आस है।

6000 लोगों को सीधे तौर पर मिलेगा रोजगार, 500 एमएसएमई इकाइयों को मिलेगा जीवनदान

काम तेज करने का आदेश

“ औद्योगिक विकास के काम तेज करने का आदेश अधिकारियों को दे दिया गया है। यह भी निर्देशित किया गया है कि काम लंबित न रहे। जल्द समीक्षा बैठक बुलाने की तैयारी है।

– डॉ. सूर्यपाल गंगवार, डीएम